अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–189 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 9 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

बिजनौर में कच्ची शराब बना रहा व्यक्ति गिरफ्तार

बिजनौर (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में पुलिस ने जंगल में अवैध शराब की भट्ठी का पता लगाया और वहां पर कच्ची शराब बनाते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि रविवार की रात थाना नगीना (देहात) के थाना अधिकारी संजय कुमार और दारोगा नीरज कुमार की टीम ने सूचना के आधार पर ग्राम ढकिया के जंगल में अवैध शराब की भट्ठी का पता लगाया और वहां से 45 लीटर कच्ची शराब व कुछ उपकरणों के साथ राजेन्द्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वहां रखी 1250 लीटर अधबनी शराब नष्ट कर दी। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर फरार अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी है।

भोजपुरी गीतों में हीरो बने योगी, सोशल मीडिया पर भी मची धूम

लखनऊ (वेब वार्ता)। भोजपुरी गीतों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों हीरो बने हुए है। मशहूर भोजपुरी फिल्म अभिनेता एवं गायक दिनेश लाल यादव निरहुआ के गाए हुए यूपी के बच्चा–बच्चा फरमाइश में योगी, अइहें 22 में योगी जी, 27 में भी योगी जी गीत ने सोषल मीडिया पर धूम मचा रखी है। उनके इस गाने पर सपा समर्थकों और भाजपा समर्थकों ने सोशल मीडिया पर मिलीजुली प्रतिक्रिया भी दी है। अभिनेता दिनेष लाल निरहुआ ने वर्ष 2019 में सपा मुखिया अखिलेष यादव के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। तभी से वह भाजपा के प्रचार में लगातार रहते हैं। इसस पहले भी वह दो गीत बना चुके हैं। जो कि सोशल मीडिया पर बहुत हिट हुए है। निरहुआ ने यह गीत अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट भी किया है। इस गीत को उन्होंने मुख्यमंत्री योगी की छवि और उनकी उपलब्धियों को आधार बनाकर गाया है। इस गीत में निरहुआ दावा करते हैं कि योगी आदित्यनाथ 2022 में भी सत्ता में आएंगे और वर्ष 2027 में भी सत्ता में आएंगे। उन्होंने गीत शुरूआत करते हुए कहा है कि गद्दारों के सीने में चोट करेंगे, जो राष्ट्रवादी हैं वह योगी जी को ही सपोर्ट करेंगे। पहले भी किया था और आने वाले समय में भी कमल के निशान पर ही वोट करेंगे। निरहुआ के गाने में आगे बोल है,यूपी के बच्चा–बच्चा के फरमाइश में योगी जी, अइहें 22 में योगी जी, 27 में भी योगी जी। इससे पहले भी भोजपुरी स्टार निरहुआ ने अभी हाल में दो गीत बनाए थे। पहले गीत के बोल थे घुस जाले बिलवा में सांप बिच्छू, गोजर, चलेला जब चाप बाबा का बुलडोजर, यूपी से गायब भइले सूरमा, गजोधर।

मुख्य मंत्री के निर्देश पर राज्य के अभिसूचना तंत्र को और अधिक चुस्त–दुरूस्त किया गया

अवध की आवाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर प्रदेश की कानून

एवं व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से राज्य के अभिसूचना तंत्र को और अधिक चुस्त–दुरूस्त बनाते हुये उसके संसाधनों में वृद्धि की गयी है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि अभिसूचना मुख्यालय के अन्तर्गत सोशल मीडिया मॉनीटरिंग सेन्टर की स्थापना को मंजूरी शासन द्वारा प्रदान की गयी है। इस कार्य के लिए न्यूज एक्सट्रेक्टर सॉफ्टवेयर तथा डाटाबेस्ड एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर की स्थापना की जायेगी। इस कार्य में प्रबन्धन सेवा के तहत परामर्शदाता एवं कार्यदायी संस्था के रूप में एन0आई0एस0जी0 को नामित किये जाने की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गयी है। उल्लेखनीय है कि एन0 आई0 एस0 जी0 भारत सरकार द्वारा सृजित गैर लाभकारी संस्था है, जो भारत सरकार तथा प्रदेश सरकारों के विभिन्न विभागों में स्मार्ट गवर्नमेंट में सहयोग प्रदान करती है। इसकी स्थापना प्रशासनिक सुधार विभाग की सिफारिश के परिणाम स्वरूप इलेक्ट्रानिक्स एवं आई0टी0 मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष–2002 में कम्पनी अधिनियम के तहत गैर लाभकारी संस्था के रूप में की गयी थी। अवस्थी ने बताया कि इसकी स्थापना से अभिसूचना विभाग के स्वीकृत प्रस्तावों के क्रियान्वयन में व्यय की बचत होगी साथ ही साथ विश्वसनीय एजेंसी द्वारा गुणवत्ता परक ढंग से कार्यों का सम्पादन कराया जा सकेगा। यह संस्था एन0 आई0 एस0 जी0, अभिसूचना विभाग के तहत सोशल मीडिया मॉनीटरिंग सेन्टर, न्यूज एक्स ट्रेक्टर सॉफ्ट वेयर तथा डाटा बेस्ड एनालि टिक्स सॉफ्ट वेयर के अधिष्ठा पन, क्रियान्वयन के प्रबन्धन सेवा के सम्बन्ध में परामर्शदाता एवं कार्यदायी संस्था के रूप में नामित की गयी है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ पाने के लिए बैंक खाते का आधार से लिंक होना जरूरी पहली बार गर्भवती होने पर तीन किश्तों में मिलते हैं 5000 रूपये

अवध की आवाज

लखनऊ। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ पाने के लिए बैंक खाता आधार से निश्चित रूप से लिंक होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं है तो पहली बार गर्भवती होने वाली महिलाएं खाते को आधार से जरूर लिंक करा लें ताकि समय से योजना के तहत मिलने वाली रकम खाते में भेजी जा सके। यह कहना है पीएमएमवीवाई के जिला कार्यक्रम समन्वयक सुधीर वर्मा का। वर्मा ने बताया कि यह योजना जनवरी 2017 में लागू की गयी थी और अब तक जिले में 67,350 गर्भवती का पी एम एम वी वाई के तहत पंजीकरण किया जा चुका है । वर्तमान में कई बैंकों का आपस में विलय हो गया है जिसके कारण लगभग 2283 गर्भवती के खाते में धनराशि भेजने में दिक्कत आ रही है। ऐसी महिला लाभार्थी जो योजना के लाभ से वंचित हैं वह तुरन्त ही अपने बैंक की शाखा में जाकर खाते से आधार को लिंक कराएँ और इस योजना का लाभ लें। इसके अलावा अगर लाभार्थी को कोई दिक्कत आ रही है या उसे सहायता की जरूरत है तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के पी. एम.एम.वी. वाई सेल (द्वितीय तल) या नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या पी एम एम वीवाई के जिला समन्वयक सुधीर वर्मा से उनके मोबाइलन.6394458720 या स्टेट हेल्पलाइन नम्बर 7998799804 पर भी संपर्क कर सकती हैं। विभाग द्वारा हर गर्भवती को इस योजना के तहत पंजीकृत करने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना का आवेदन फॉर्म भरने के लिए आशा या एएनएम् से मदद ली जा सकती है या घर बैठs **www-pmmvy-case-nic-in** पर लॉग इन कर स्वयं आवेदन किया जा सकता है। जिला कार्यक्रम समन्वयक ने बताया– प्रसव चाहे सरकारी स्वास्थ्य सुविधा में हुआ हो या निजी, लाभ सभी को मिलता है लेकिन पंजीकरण सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर ही होना चाहिए। पंजीकरण के लिए गर्भवती व पति का आधार कार्ड, गर्भवती की बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, मातृ– शिशु सुरक्षा कार्ड (एमसीपी कार्ड) जरूरी है। गर्भवती का बैंक खाता संयुक्त नहीं होना चाहिए। वर्मा ने बताया– गर्भवती पंजी करण कराने के 150 दिन के भीतर फॉर्म ए 180 दिन के भीतर फॉर्म बी और बच्चे के जन्म के बाद उसका टीकाकरण चक्र पूरा होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र के साथ फॉर्म सी भरकर अपने पास की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र(सीएचसी) पर जमा कर पी एम म वी वाई की तीनो किश्तों का लाभ ले सकती है।

सम्पादकीय

चीन में मुस्लिम, तिब्बती व ईसाइयों के अंगों का घृणित कारोबार

–प्रमोद भार्गव–

चीन के शिनजियांग प्रांत में बंधक बनाकर रखे गए पंद्रह लाख से ज्यादा उईगर मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक हैवानियत का शिकार हो रहे हैं। इस क्रूरतम रहस्य का पर्दाफाश संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट में किया गया है।

चीन में अल्पसंख्यक उईगर, तिब्बती और ईसाईयों के अंग जबरदस्ती निकालकर जरूरतमंद देशों को कालाबाजारी करके अरबों रुपए कमाए जा रहे हैं। यह रिपोर्ट आस्ट्रेलिया में प्रकाशित हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार हिरासत में रखे गए अल्पसंख्यकों का यकृत 1 करोड़ 2 लाख रुपए में, गुर्दा 60 लाख, हृदय 80 लाख और आंख का नेत्रपटल (कॉर्निया) 20 लाख रुपए में मानव अंगों का अवैध व्यापार करने वालों को बेचे जा रहे हैं। इन हिरासत केंद्रों में अंग निकालने के आरोप पहले भी अनेक मर्तबा लगे हैं। यही नहीं इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उईगर और अन्य अल्पसंख्यकों की जबरन नसबंदी भी करा दी जाती है।

जिन अस्पतालों में अंगों को निकाला जाता है, वे सभी अस्पताल हिरासत केंद्रों के निकट हैं। अस्पतालों में किए गए ऑपरेशनों की संख्या और प्रतीक्षा सूची से पता चला है कि यहां बड़े पैमाने पर जबरन अंग निकाले जा रहे हैं। रिपोर्ट में ऑस्ट्रेलियाई रणनीतिक नीति संस्थान (एएसपीआई) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि 2017 से 2019 के बीच देशभर के कारखानों में लगभग 80 हजार उईगरों की तस्करी की गई है। साथ ही इनकी 6.3 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों में बमुश्किल भागीदारी करने दी जाती है। बावजूद पाकिस्तान समेत दुनिया के अन्य मुस्लिम पैरोकार देश चीन के विरुद्ध ओंठ सिले हुए हैं।

चीन में उईगरों पर जुल्म का सिलसिला नया नहीं है। वह नए–नए तरीकों से उईगरों को इतना सता रहा है कि हिरासत केंद्र, यातना घरों में बदल गए हैं। चीन मुस्लिमों के धार्मिक प्रतीकों पर भी लगातार पाबंदी लगा रहा है। यहां के पश्चिमी क्विनगाई प्रांत के शिनिंग शहर में मौजूद डोंगगुआंग मस्जिद के गुंबद और मीनारों को हटा दिया गया है। चीन में मौजूद मस्जिदों के इस्लामिक वास्तुशिल्प को वहां की वामपंथी सरकार चाइनीज स्थापत्य में ढालने का उपक्रम करने में लगी है। इस बदलाव के सिलसिले में सरकार का कहना है कि यह सब इसलिए जरूरी हो गया है, ताकि मस्जिदों पर मध्यपूर्व एशिया का कथित इस्लामीकरण न दिखे और ये स्मारक चाइनीज लगें। इस बदलाव की शुरुआत 1990 के दशक में जिनपिंग के कार्यकाल में शुरू हुई थी। तभी से गुंबद और मीनारों को हटाया जा रहा है। वर्तमान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस परिवर्तन के अभियान को 'सांस्कृतिक एकीकरण' का नाम दिया हुआ है। इसके अंतर्गत ईसाई धर्म और संस्कृति को भिन्न पहचान देने वाले स्मारकों के प्रतीकों को भी हटाया जा रहा है।

दरअसल चीन को उईगर बहुल क्षेत्र में अनेक बार विरोध का सामना करना पड़ा है। इसलिए चीन सख्ती से इनके दमन में लगा हुआ है। यही हश्र चीन तिब्बतियों के साथ भी कर रहा है। चीन ने मंगोलिया प्रांत के जिन विद्यालयों में तिब्बती छात्र बहुसंख्यक हैं, वहां केवल मंदारिन भाषा में पढ़ाई अनिवार्य कर दी है। चीन के शिनिंग शहर में पिछले 1300 साल से हुई मुस्लिम रह रहे हैं। इनकी आबादी लगभग 1 करोड़ हैं। चीन ने इसे सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस ने जो मॉडल अपनाया है, उसे चीन में लागू करके धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को 54 वर्गों में बांटकर न्यूनतम धार्मिक आजादी दी हुई है, जिससे इनकी शक्ति विभाजित होकर बिखर जाए। हालांकि जब हुई मुस्लिम चीनी क्षेत्र में बसना शुरू हुए थे, तब उन्होंने आक्रामकता दिखाते हुए बौद्ध मंदिरों पर कब्जा किया और उन्हें इस्लामिक रूप देकर मस्जिदें बना दीं।

चीनी इतिहास के अनुसार 616–618 के कालखंड में चीन में तांग राजवंश के शासक रहे थे। बौद्ध धर्मावलंबी होने के कारण ये हिंदूओं की तरह उदार थे। लिहाजा इस कालखंड में जब अरब और ईरानी व्यापारी चीन व्यापार के लिए आए तो उन्हें तांग राजाओं ने व्यापार के साथ–साथ अपने धर्म इस्लाम के प्रचार की छूट भी दे दी। एक तरह से यह वही गलती थी, जो भारतीय सामंतों ने मुस्लिम और अंग्रेजों के भारत आने पर की थी। इसका नतीजा निकला कि चीन में उईगर, हुई, उजबेक, ताजिक, कजाक, किरगीज और तुर्क आकार रहने लगे। ये सभी मध्य एशिया से आए थे। इन्होंने इस्लाम के प्रचार के बहाने चीनीयों का धर्म परिवर्तन भी किया और चीनी महिलाओं से शादियां भी कीं। नतीजतन चीन में मुसलमानों की संख्या दो करोड़ से भी ऊपर पहुंच गई और ये स्थानीय मूल निवासियों के लिए संकट बन गए।

वर्तमान में चीन में करीब सवा करोड़ उईगर मुसलमान हैं। कालांतर में इन मुसलमानों ने अलग स्वतंत्र देश तुर्किस्तान की मांग शुरू कर दी। इस हिंसक आंदोलन को नेस्तनाबूद करने के लिए चीन की च्यांगकाई और माओ–त्से–तुंग की कम्युनिष्ठ सरकारों ने लाखों की संख्या में आंदोलनकारियों को मौत के घाट उतार दिया। चीन ने यही हश्र तिब्बतियों के साथ किया। तिब्बती और मुस्लिम औरतों को यहां बांझ बनाने का काम भी किया जा रहा है। हैरानी इस बात पर है कि पाकिस्तान समेत अन्य मुस्लिम देश चीन के इन धत्कर्मों की निंदा करने से भी बचते हैं।

इन सब अत्याचारों के बावजूद चीन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् (यूएनएचआरसी) में चुन लिया जाता है। इससे संकेत मिला है कि संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों के शोषकों के आगे घुटने टेक दिए हैं। इसीलिए यह वैश्विक संगठन मानवाधिकारों की लड़ाई चीन जैसे देशों के खिलाफ सख्ती से नहीं लड़ पा रहा है। यही नहीं चीन के समर्थन के बूते पाकिस्तान और नेपाल भी परिषद् के सदस्य चुन लिए गए। रूस और क्यूबा जैसे अधिनायकवादी देश भी इस परिषद् के सदस्य हैं। इस कारण यूएनएचआरसी की विश्वसनीयता लगातार घट रही है। इसीलिए अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने बयान दिया था कि ऐसे हालातों के चलते परिषद् से अमेरिका के अलग होने का फैसला उचित है।

दरअसल जब अमेरिका ने परिषद् से बाहर आने का ऐलान किया था, तब संयुक्त राष्ट्र ने सदस्य देशों से परिषद् में तत्काल सुधार का आग्रह किया था। परंतु किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। आज स्थिति यह है कि अधिकतम मानवाधिकारों का हनन करने वाले देश इसके सिरमौर बन बैठे हैं। पाकिस्तान में हिंदुओं और ईसाइयों के साथ–साथ अहमदिया मुस्लिमों पर निरंतर अत्याचार हो रहे हैं। बांग्लादेश में भी हिंदुओं पर जुल्म ढाए जा रहे हैं। उनके धार्मिक स्थल नष्ट करने की खबरें रोज–रोज आ रही हैं। वहीं, चीन ने तिब्बत को तो लगभग निगल ही लिया है। म्यांमार की सेना ने करीब 15 लाख रोहिंग्या मुस्लिमों को बंदूक की नोक पर अपने देश से रातोंरात बेदखल कर दिया। इस घटना को करीब पांच साल बीत चुके हैं, लेकिन कहीं से कोई आवाज म्यांमार के विरुद्ध नहीं उठी। मानवाधिकार आयोग भी मौन है।

चीन के साम्राज्यवादी मंसूबों से वियतनाम चिंतित है। हांगकांग में वह इकतरफा कानूनों से दमन की राह पर चल रहा है। इधर, चीन और कनाडा के बीच भी मानवाधिकारों के हनन को लेकर तनाव बढ़ना शुरू हो गया है। भारत से सीमाई विवाद तो सर्वविदित है ही। लोक–कल्याणकारी योजनाओं के बहाने चीन छोटे से देश नेपाल को भी तिब्बत और चौकोस्लोवाकिया की तरह निगलने की फिराक में है। चीन ने श्रीलंका के हंबन तोता बंदरगाह को विकसित करने के बहाने, उसे हड़पने की ही कुटिल चाल चल दी है। श्रीलंका चीन के इन दोगले मंसूबों को बहुत देर बाद समझ पाया। नतीजतन अब चीन के चंगुल से बाहर आने के लिए छटपटा रहा है। जाहिर है, चीन वामपंथी चोले में तानाशाही हथकंडे अपनाते हुए हड़प नीतियों को लगातार बढ़ावा दे रहा है।

शोध एवं नवाचार की अहमियत

–डा. जयंतीलाल भंडारी–

यकीनन देश के बहुआयामी विकास में शोध एवं नवाचार की अहमियत उभरकर दिखाई दे रही है। पिछले पांच वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक (ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स–जीआईआई) 2021 में भारत दो पायदान ऊपर उठकर 46वें स्थान पर पहुंच गया है। इसके पहले भारत जीआईआई–2020 में 48वें स्थान पर तथा 2019 में 52वें स्थान पर था। इस इंडेक्स में पांच वर्ष पहले भारत 81वें स्थान पर था। इसी तरह ब्लूमबर्ग के द्वारा प्रकाशित की गई 135 देशों की वैश्विक नवाचार रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग ऊंची हुई है। नवाचार की ये वैश्विक रिपोर्ट जिन मापदंडों पर तैयार की गई हैं, उनमें देश में कार्यरत शोध संस्थाओं की गुणवत्ता, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, ज्ञान पूंजी, डिजिटल सुविधाएं, स्टार्टअप के लिए अनुकूलताएं, मानव संसाधन विकास, कारोबारी विशेषज्ञता, सरकार की प्रभावशीलता, घरेलू कारोबार में सरलता आदि को ध्यान में रखा गया है। विगत 22 अक्तूबर को ऐतिहासिक कोरोना टीकाकरण पर देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में कोरोना टीकाकरण की 100 करोड़ डोज लगने का आंकड़ा नए भारत की तस्वीर है। भारत का टीकाकरण अभियान शोध एवं नवाचार की कोख में जन्मा है तथा यह वैज्ञानिक आधारों पर पनपते हुए वैज्ञानिक तरीकों से चारों दिशाओं में पहुंचा है। भारत ने 100 से अधिक जरूरतमंद देशों को कोरोना टीकों का निर्यात भी किया है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश में कोरोना वैक्सीन की एक अरब खुराक, गति शक्ति, नई ड्रोन नीति और कृषि विकास के सहारे अब अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ेगी। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के बिल गेट्स ने कहा कि चुनौतीपूर्ण कोरोना महामारी को खत्म करने के लिए टीके के निर्माण में भारतीय वैज्ञानिकों की शोध और नवाचार की भूमिका बेहतरीन रही है। निःसंदेह भारत में शोध एवं नवाचार बढ़ने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भारत ने कोविड–19 को नए चिकित्सकीय शोध और नवाचार को बढ़ावा देने का भी एक अवसर बना दिया है। कोरोना वायरस के खिलाफ भारत में निर्मित टीकों के लिए वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों के द्वारा किए गए अनुसंधान, नवाचार तथा नई तकनीकों की अहम एवं प्रभावी भूमिका है। डेढ़ साल पहले जब फरवरी–मार्च 2020 में देश में कोरोना संक्रमण की पहली लहर शुरू हुई थी, तब देश में कोरोना की रोकथाम के लिए कोरोना वैक्सीन से संबंधित शोध और उत्पादन के विचार आने शुरू हुए थे। भारत के द्वारा कुछ महीनों के अंदर कोरोना के टीका बनाने का कठिन लक्ष्य पूरा किया गया और अब भारत दुनिया का प्रमुख कोरोना टीका निर्माता देश है। साथ ही 21 अक्तूबर को जब भारत में 100 करोड़वां टीका लगाया गया, तब यह भी चिन्हित हुआ है कि दुनिया में चीन के बाद दूसरी सबसे अधिक कोरोना वैक्सीन लगाने वाला देश भारत बन गया है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत ने दुनिया की पहली डीएनए वैक्सीन विकसित कर ली है, जिसे 12 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को लगाया जा सकता है। एक और एमआर एनए वैक्सीन बनकर तैयार होने के अंतिम चरण में है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक पिछले छह–सात वर्षों में कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे भारत कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है।

अब देश के ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह नवाचार के आधार पर ड्रोन से भूखंडों का सर्वेक्षण कराकर ग्रामीणों को सम्पत्ति का स्वामित्व सौंपकर सशक्त बनाने की स्वामित्व योजना तेजी से लागू हो रही है। मध्यप्रदेश के वर्तमान कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जब अक्तूबर 2008 में मध्यप्रदेश के राजस्व मंत्री थे, तब उनके द्वारा गश्ह जिले हरदा के मसनगांव और भाट परेटिया गांवों में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास अधिकार पुस्तिका के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी जमीनों के जो स्वामित्व सौंपे गए थे, उससे दोनों गांवों में आर्थिक सशक्तिकरण के जो जोरदार परिणाम आए हैं, उन्हें इस समय चारों ओर अनुभव किया जा रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में बढ़ते शोध, नवाचार, मैपिंग, इमेजिंग और कनेक्टिविटी के अभूतपूर्व परिणाम मिलेंगे। यह बात महत्वपूर्ण है कि किसी देश में शोध एवं नवाचार की स्थिति के आधार पर उस देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग–कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें भी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग–कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ती हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते हुए अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी–बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के तेजी से बढ़ने से भारत में ख्याति प्राप्त वैश्विक फायनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। इससे भारतीय बाजार चमकीला होता जा रहा है।

साथ ही भारत से कई विकसित और विकासशील देशों के लिए कई काम बड़े पैमाने पर आउटसोर्सिंग पर हो रहे हैं। इससे विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ रही है। पूरी दुनिया में मेड इन इंडिया और ब्रांड इंडिया की चमकीली पहचान बन रही है। यदि हम चाहते हैं कि अब भारत शोध, नवाचार और एआई की बढ़ती हुई शक्ति से विज्ञान, तकनीकी विकास, मानव कल्याण, कृषि, उद्योग, कारोबार आदि के क्षेत्र में और तेजी से आगे बढ़े तो हमें कई बातों पर ध्यान देना होगा। हमारे द्वारा नवाचार में आगे बढ़ने के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) के विविध आयामों पर ध्यान देना होगा। भारत में आरएंडडी पर खर्च की राशि जीडीपी के एक फीसदी से भी कम है। इसे बढ़ाना होगा। हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि कोविड–19 के कारण घर लौटी भारतीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी दक्षता वाली प्रतिभाओं की मदद एआई, शोध एवं नवाचार में ली जाए। भारतीय उद्योगों को वैश्विक स्तर पर ऊंचाई देने के लिए उद्योगों को नए आविष्कारों, खोज से परिचित कराने के मद्देनजर सीएसआईआर, डीआरडीओ और इसरो जैसे शीर्ष संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाना होगा। हमें अभी शोध, नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और तकनीकी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के लिए रणनीतिपूर्वक व अधिक तेजी से आगे बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि 100 करोड़ टीकाकरण के कीर्तिमान में भारतीय वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों के द्वारा किए गए शोध एवं नवाचार की जो प्रभावी भूमिका रही है, वैसी शोध एवं नवाचार की चमकीली भूमिका कृषि एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, उद्योग कारोबार सहित विभिन्न क्षेत्रों में और तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगी।

'स्वच्छ भारत' : एक संकल्पित स्वप्न

–प्रो. मनोज डोगरा–

स्वच्छ भारत और स्वच्छता अभियान, एक देश को स्वच्छ बनाने का संकल्प और दूसरा देश को स्वच्छ भारत के रूप में देखने का स्वप्न, हर एक भारतीय अपनी आंखों व जहन में लेकर सोता व उठता है। स्वच्छ भारत अभियान जिसे स्वच्छ भारत मिशन के नाम से भी जाना जाता है, यह भारत सरकार के द्वारा शुरू किया गया राष्ट्रीय स्तर का एक ऐसा स्वच्छता अभियान है जिसका उद्देश्य भारत की आधारभूत संरचनाओ तथा सड़कों, नदियों और गलियों व वातावरण आदि को साफ–सुथरा करना है। इस अभियान का शुभारंभ देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा महात्मा गांधी के जन्मदिन 2 अक्तूबर 2014 को किया गया था। इसका उद्देश्य महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करना है। आज परिस्थितियां इस प्रकार की हैं कि किसी को स्वच्छ भारत अभियान के विषय में बताने की आवश्यकता नहीं है। सभी जानते हैं कि क्या है स्वच्छता अभियान और स्वच्छ भारत। बच्चे–बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक जन–जन के जेहन में एक ही सपना पलता है और वो सपना स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने का ही सपना है। भारत एक ऐसा देश है जहां प्रकृति का वरदान एक आदर्श रूप में प्राप्त है। लेकिन चिंतन का विषय यह है कि पता तो सब को है, पर करेगा कौन? क्या सरकार करेगी? या सरकार जाने के बाद दूसरी सरकार आने पर यह अभियान भी बंद बक्से में कैद हो जाएगा। सोचने का विषय है कि क्या गंगा सफाई से भारत साफ हो जाएगा या मिशन ही चलेंगे, यह चिंतनीय है। भारत की संस्कृति में प्राचीन काल से ही प्रत्येक त्योहार व पर्व का गहरा संबंध प्रकृति और स्वच्छता से रहा है, चाहे दिवाली हो या नवरात्र पर्व हो या नव वर्ष का आगमन। प्रत्येक त्योहार के आने पर साफ–सफाई की परंपरा और संस्कृति रही है। यहां तक कि आज पूरा देश स्वतंत्रता के 75 वर्षों के रूप में आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को भी एक प्रकार से स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम के रूप में मना रहा है जो कि देशवासियों के स्वच्छता प्रेम व विचार को दर्शाता है। इसी विचार से आगे बढ़ते हुए आज देश महात्मा गांधी जी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को साकार करने के करीब नजर आता है। देश को स्वच्छ बनाने की होड़ में तरह–तरह की नीतियां, विधियां, कार्यक्रम इत्यादि अमल कराई जा रही हैं। सरकारी उपक्रमों में आयोजित स्वच्छ भारत पखवाड़ा उनमें से एक है। परंतु सवाल यह उठता है कि क्या इस अभियान को सफल बनाने में केवल सरकार का ही पूर्ण उत्तरदायित्व एवं जिढम्मेदारी है? आज जितने भी देश भारत से हर मायने में उच्च हैं, उनके विकास एवं प्रगति में उस देश की जनता का बहुमूल्य योगदान है। बाहर के देशों में जाकर हम भारतवासी वहां की स्वच्छता की तारीफ करते नहीं थकते। विदेश में उनके कानूनों का बराबर पालन करते हैं। भारत की विदेश से तुलना करते हैं एवं अपने ही देश में फैली गंदगी, स्वच्छता के अभाव के लिए सरकार को दोषी मानते हैं। क्या समाज की, इस देश के हर नागरिक की कोई जिढम्मेदारी नहीं है। बिल्कुल जिढम्मेदारी एवं जवाबदेही भी है। देश के हर नागरिक का यह फर्ज बनता है कि वह अपने घर को ही नहीं, अपने आस–पड़ोस, अपने नगर वातावरण को स्वच्छ रखने में जितना हो सकता है, उतना योगदान दे। गंदगी को न फैलाए, कूड़ेदान में ही कचरा फैंके तथा अपने परिवार एवं अपने बच्चों को सफाई की तरफ जागरूक एवं प्रेरित करे। स्वच्छता ही अच्छे स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण अंग है। अगर हमारा वातावरण स्वच्छ है, हवा–पानी साफ है, तो उसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। अगर हम छोटी उम्र से ही बच्चों के मन में यह विचार एवं मूल्य डालेंगे, तभी उनका और हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित होगा। कहा भी जाता है कि प्रत्येक कार्य मजबूत दृढ़ निश्चय व इच्छा शक्ति से ही संभव है, तो ऐसा ही एक दृढ़ निश्चय व संकल्प प्रत्येक देशवासी को अपने दैनिक जीवन की व्यावहारिकता में लाना होगा।

आवश्यकता सरकारी कड़ेपन की भी महसूस की जाती है। प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध अभी भी कहीं न कहीं कागजों और भाषणों में ही नजर आता है। इस पर कड़े नियम अपनाने की आवश्यकता है क्योंकि प्लास्टिक ही भारत में सबसे ज्यादा गंदगी की मूल जड़ है। इस जड़ को उखाड़ कर इसके स्थान पर वैकल्पिक नए प्रयोग व शोध से कपड़े के थैलों व प्रकृतिमित्र वस्तुओं को व्यवहार में लाना होगा। इस बात की भी सख्त आवश्यकता है कि स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण दैनिक विषयों को प्राथमिकता के साथ स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए ताकि बच्चे स्वच्छता के महत्व को अपने बाल्यकाल से ही समझ कर राष्ट्र हित में जीवनपर्यंत के लिए अपना सकें। देश में स्वच्छता शिक्षा को अपनाने की आवश्यकता है क्योंकि इस अभियान को सफल बनाने में युवा वर्ग की भी अहम भूमिका है। युवा वर्ग में देश के प्रति प्रेम है, देश को उन्नति के पथ पर ले जाने की क्षमता है एवं शिक्षित युवा वर्ग इस अभियान के देश पर होने वाले प्रभाव को भली–भांति जानता है। आज के युवा आशावादी भी हैं। एक बहुत प्रचलित कहावत है कि 'बूंद बूंद से ही सागर भरता है'। सच ही तो है, अगर इस देश का हर नागरिक स्वच्छता की ओर सचेत रहे तथा अपनी भूमिका की तरफ सजग रहे तो वे दिन दूर नहीं जब भारत का 'क्लीन इंडिया–ग्रीन इंडिया' का सपना साकार होगा।

ऐसा नहीं है कि समाज जागरूक नहीं है। समाज के विभिन्न वर्गों ने आगे आकर स्वच्छता के इस जन अभियान में हिस्सा लिया है और अपना योगदान दिया है। सरकारी कर्मचारियों से लेकर जवानों तक, बालीवुड के अभिनेताओं से लेकर खिलाड़ियों तक, उद्योगपतियों से लेकर अध्यात्मिक गुरुओं तक, सभी ने इस महान काम के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। देश भर के लाखों लोग सरकारी विभागों द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता के इन कामों में आए दिन सम्मिलित होते रहे हैं। इस काम में एनजीओ और स्थानीय सामुदायिक केन्द्र भी शामिल हैं। नाटकों और संगीत के माध्यम से सफाई–सुथराई और स्वास्थ्य के गहरे संबंध के संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। स्वच्छ भारत एक जन–आंदोलन का रूप ले चुका है क्योंकि इसे जनता का अपार समर्थन मिला है। बड़ी संख्या में नागरिकों ने भी आगे आकर साफ–सुथरा भारत बनाने का प्रण किया है। स्वच्छ भारत अभियान के आरंभ के बाद गलियों की सफाई के लिए झाडू उठाना, कूड़े–कर्कट की सफाई, स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित करना और अपने चारों ओर स्वास्थ्यवर्धक वातावरण बनाना अब जनता की प्रकृति बन गई है। इस भावना को दृढ़ करना होगा।

सूर्योपासना, आस्था, प्रकृति, स्वच्छता व प्राचीन संस्कृति के संगम का महापर्व है 'छठ पूजा'

दुनिया में भारत की एक निराली पहचान है विदेशी लोग भारत को उत्सवों का देश कहते हैं, क्योंकि यहां पर सेलिब्रेशन करने के पल–पल में बहाने ढूंढें जाते है। वैसे भी हमारा प्यारा देश भारत दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म 'सनातन धर्म' के विभिन्न त्योहारों का देश है, हम लोग विकट से विकट परिस्थितियों में भी पूर्ण हर्षोल्लास के साथ अपने पूजा–पाठ व उत्सवों का आनंद लेते हैं। पिछले पूरे हफ्ते दीपावली के पंच दिवसीय पावन पर्व को इस वर्ष कोरोना से राहत मिलने के चलते सभी देशवासियों ने धूमधाम पूर्ण माहौल में हर्षोल्लास के साथ मनाया था। अब सूर्योपासना व प्रकृति पूजा के महापर्व 'छठ' की बड़ी धूमधाम से मनाने की तैयारी हो गयी हैं, हालांकि पहले 'छठ पूजा' बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनायी जाती थी, लेकिन अब इसका दायरा बढ़कर पूरे देश के साथ–साथ विदेशों में भी हो गया है, आज इस त्योहार से देश–विदेश के करोड़ों लोगों की आस्थाएं जुड़ी हुई हैं।

इस पर्व में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है, इस वर्ष 'छठ पूजा' का चार दिवसीय महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी यानी 8 नवंबर 2021 सोमवार के दिन 'नहाय खाय' से शुरू हो रहा है और यह कार्तिक शुक्ल सप्तमी यानी 11 नवंबर गुरुवार के दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूर्ण होगा।

सूर्योपासना का यह 'छठ पूजा' का महापर्व भगवान सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और भगवान सूर्य की बहन छठी मैया को विशेष रूप से समर्पित है। प्राचीन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार 'छठी माता' को भगवान सूर्य की बहन माना जाता है। हमारी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया संतानों की रक्षा करती हैं और उनको दीर्घायु प्रदान करती हैं, इसलिए ही 'छठ मैया' को प्रसन्न करने के लिए 'छठ पूजा' का उपवास पूर्ण विधि–विधान, सात्विकता व स्वच्छता के साथ रखा जाता है। 'छठ पूजा' के इस चार दिवसीय पावन उत्सव की शुरुआत कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है,इस दिन उपवास रखने वालें लोग केवल लौकी और चावल का आहार ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन 'खरना' होता है, इस दिन लोग उपवास रखकर शाम को गन्ने के रस की खीर का सेवन करते हैं, इसके पश्चात उपवास की बेहद कठिन परीक्षा शुरू होती है सप्तमी को उपवास खोलने तक कुछ भी खाना व पीना वर्जित होता है। वहीं तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी होने के चलते 'छठ पूजा' की विशेष विधान के साथ पूजा अर्चना की जाती है, इस दिन 'छठ पर्व' के विशेष प्रसाद में 'ठेकुवा' पकवान को तैयार किया जाता है और उपवास रखने वालें लोग स्नान करके जल में खड़ें होकर संध्याकाल में अस्त होते भगवान सूर्य की आराधना करके उनको अर्घ्य देते हैं, साथ में विशेष प्रकार का पकवान 'ठेकुवा' और मौसमी फल चढ़ाते हैं, इस दिन 'छठ पूजा' घाटों पर या जहां जल में खड़े होकर पूजा करने की स्थिति हो वहां पर की जाती है, इन सभी जगहों पर भीड़भाड़ के चलते मेला लगा रहता है। चौथे दिन यानि कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी के अंतिम दिन उपवास करने वालें लोग सूर्योदय से पहले स्नान करके अरुणोदय तक जल में खड़े होकर सूर्योपासना करते हैं और उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर उनकी पूजा–आराधना करते हैं, इसके बाद उपवास करने वालें लोग कच्चे दूध और 'छठी माता' के प्रसाद को खाकर अपने व्रत का समापन करते हैं। इसके साथ ही कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी के दिन 'छठ पूजा' के महापर्व का पूर्ण उत्साह हर्षोल्लास के माहौल में समापन हो जाता है, आजकल कुछ जगह तो इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी तक की जाने लगी है। आदिकाल से चली आ रही पौराणिक मान्यताओं के अनुसार 'छठ पर्व' की शुरुआत महाभारत काल में सबसे पहले सूर्य पुत्र कर्ण ने भगवान सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के अनन्य भक्त थे और वह रोजना कमर तक जल में खड़े होकर घंटों भगवान सूर्य की आराधना करके उनको अर्घ्य देते थे, ऐसा माना जाता है कि वह भगवान सूर्य की कृपा से ही महान योद्धा बने थे। आज भी 'छठ पूजा' में अर्घ्य की यही प्राचीन परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे में एक कथा और प्रचलित है, इसके अनुसार जब पांडुपुत्र पांडव अपना सारा राजपाठ दुर्योधन के साथ जुए में हार गए थे, उस समय पांडवों के लिए उनकी पत्नी दौपदी ने छठ का व्रत रखा था और इस व्रत से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हो गयी थी, पांडवों को अपना राजपाठ वापस मिल गया था। इन प्राचीन पौराणिक मान्यताओं के चलते ही 'छठ पूजा' को बेहद प्राचीन माना जाता है।

वैसे भी ज्योतिषी गणना के अनुसार कार्तिक मास में सूर्य अपनी नीच राशि में होता है, इसलिए सूर्य देव की विशेष उपासना की जाती है ताकि लोगों को स्वास्थ्य की समस्याएं परेशान ना करें, वहीं षष्ठी तिथि का सम्बन्ध संतान की आयु से होता है, इसलिए सूर्य देव और षष्ठी की पूजा से संतान प्राप्ति और उसकी आयु रक्षा दोनों हो जाती है। प्राचीन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जिन लोगों को संतान न हो रही हो या संतान की पैदा होकर बार–बार मृत्यु हो जाती हो, ऐसे लोगों को 'छठ पूजा' के इस व्रत से आश्चर्यजनक अदभुत लाभ होता है, अगर संतान पक्ष से कष्ट हो तो भी यह व्रत लाभदायक होता है, अगर कुष्ठ रोग या पाचन तंत्र की कोई गंभीर समस्या हो तो भी इस व्रत को रखना शुभ होता है, जिन लोगों की कुंडली में सूर्य की स्थिति खराब होती है और राज्य पक्ष से समस्या होती है ऐसे लोगों को भी इस व्रत को करने से लाभ होता है। वैसे वैज्ञानिक आधार की बात करें तो इस माह में सूर्य उपासना से हम भविष्य में अपनी ऊर्जा और स्वास्थ्य का बेहतर स्तर बनाए रख सकते हैं। यहां आपको बता दें कि 'छठ पूजा' का व्रत लिंग–विशिष्ट त्यौहार नहीं है और इस व्रत को स्त्री, पुरुष, बुजुर्ग व जवान सभी लोग रख सकते हैं।

(स्वतंत्र पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक)

चार दिवसीय छठ पूजा नहाए खाए के साथ सोमवार से हुआ शुरू

मोतीगंज थाना क्षेत्र के भवरियापारा तथा नई बस्ती इमलिया में धूमधाम से मनाया जाता है यह त्यौहार

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। छठ पर्व, छठ या षष्ठी पूजा कार्तिक शुक्ल पक्ष के षष्ठी को मनाया जाने वाला एक हिन्दू पर्व

है।सूर्योपासना का यह अनुपम लोकपर्व मुख्य रूप से बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है।कहा जाता है यह पर्व बिहारीयों का सबसे बड़ा पर्व है ये उनकी संस्कृति है। छठ पर्व बिहार मे बड़े धुम धाम से मनाया जाता है। ये एक मात्र ही बिहार या पूरे भारत का ऐसा पर्व है जो वैदिक काल से चला आ रहा है और ये बिहार कि संस्कृति बन चुका हैं।बिहार मे हिन्दुओं द्वारा मनाये जाने वाले इस पर्व को धर्मावलम्बी भी मनाते देखे जाते हैं।धीरे–धीरे यह त्योहार प्रवासी भारतीयों के साथ–साथ विश्वभर में प्रचलित हो गया है।छठ पूजा सूर्य, उषा, प्रकृति,जल, वायु और उनकी बहन छठी मइया को समर्पित है ताकि उन्हें पृथ्वी पर जीवन की देवतायों को बहाल करने के लिए धन्यवाद और कुछ शुभकामनाएं देने का अनुरोध किया जाए। छठ में कोई मूर्तिपूजा शामिल नहीं है। त्यौहार के अनुष्ठान कठोर हैं और चार दिनों की अवधि में मनाए जाते हैं। इनमें पवित्र स्नान, उपवास और पीने के पानी (वृत्ता) से दूर रहना, लंबे समय तक पानी में खड़ा होना, और प्रसाद (प्रार्थना प्रसाद) और अर्घ्य देना शामिल है। परवातिन नामक मुख्य उपासक (संस्कृत पार्व से, जिसका मतलब अवसर या त्यौहार) आमतौर पर महिलाएं होती हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में पुरुष इस उत्सव का भी पालन करते हैं क्योंकि छठ विशिष्ट त्यौहार नहीं है। छठ महापर्व के व्रत को स्त्री – पुरुष – बुढ़े – जवान सभी लोग करते हैं।कुछ भक्त नदी के किनारों के लिए सिर के रूप में एक प्रोस्टेशन मार्च भी करते हैं। यह त्यौहार मोतीगंज थाना क्षेत्र के भवरियापारा और नई बस्ती इमिलिया क्षेत्र में महिलाओं द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ 4 दिन तक मनाया जाता है जो 8 नवंबर 2021 से शुरू हुआ।

कीमतों को कम करने के लिए भाजपा सरकार को हटाना जरूरी : अखिलेश

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि हाल के उपचुनावों में भाजपा की हार के कारण ईंधन की कीमतों में गिरावट आई है और उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनावों में उनकी हार से अन्य वस्तुओं की कीमतों में और गिरावट आएगी। रविवार शाम अंबेडकर नगर में एक रैली में बोलते हुए, अखिलेश ने ईंधन की बढ़ती कीमतों, कोविड के घोर कुप्रबंधन और किसानों की उपेक्षा के लिए सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने 2017 के विधानसभा चुनावों के लिए अपने संकल्प पत्र (घोषणापत्र) में छात्रों को लैपटॉप, मुफ्त डेटा और टैबलेट वितरित करने में विफलता के लिए राज्य में भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले साढ़े चार साल में छात्रों को भूल गई और अब घोषणा की है कि छात्रों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री को लैपटॉप चलाना नहीं आता है, इसलिए उन्हें छात्रों के लिए इसके महत्व के बारे में पता नहीं था और उन्हें बांटने के बारे में कभी नहीं सोचा। इसके बजाय, उन्होंने अपने पूरे शासन में बुलडोजर का उपयोग करने की बात की। उन्होंने वहां मौजूद भीड़ से कहा, हम समाजवादी लैपटॉप चला सकते हैं और जरूरत पड़ने पर बुलडोजर भी चला सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एलपीजी सिलेंडर का नाम या रंग बदल सकते हैं लेकिन इसकी बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि चप्पल पहनने वाले लोग हवाई जहाज से यात्रा कर सकेंगे, लेकिन ईंधन की कीमतों ने लोगों के लिए मोटरसाइकिल चलाना जारी रखना मुश्किल बना दिया है, हवाई यात्रा की तो बात ही क्या करें। रैली में, बसपा से निष्कासित दो नेता, लालजी वर्मा और राम अचल राजभर, औपचारिक रूप से समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए और राज्य में एक सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया। वर्मा कटेहारी विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं और राजभर अंबेडकरनगर जिले के अकबरपुर से विधायक हैं।

यूपी ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर में रिकॉर्ड बनाया

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर में एक तरह का कीर्तिमान स्थापित किया है। एक प्रवक्ता के अनुसार, राज्य सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 2.75 लाख करोड़ रुपये का वितरण किया है। सरकार ने स्कूल यूनिफॉर्म, स्वेटर, बैग, जूते और मोजे खरीदने के लिए 1.8 करोड़ छात्रों के अभिभावकों के बैंक खातों में 1,980 करोड़ रुपये जमा किए। डीबीटी की सफलता विवाद से परे है। राज्य विधानसभा के पिछले बजट सत्र में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा था कि वित्तीय वर्ष 2020–21 में योगी आदित्यनाथ सरकार ने 56,000 करोड़ रुपये से अधिक डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित किए हैं। प्रवक्ता ने कहा, इस प्रक्रिया में बिचौलियों का सफाया हो गया और भुगतान पारदर्शी हो गया। उत्तर प्रदेश ने जीईएम पोर्टल पर रिकॉर्ड खरीदारी कर नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि डीबीटी व्यवस्था से राज्य में जहां भ्रष्टाचार पर लगाम लग रही है, वहीं किसानों, मजदूरों, दिहाड़ी मजदूरों, छात्रों और पेंशनभोगियों के लिए भी यह वरदान साबित हो रही है। उन्होंने आगे कहा, इस योजना ने सरकार को 2020 में अप्रत्याशित कोरोना लॉकडाउन के दौरान त्वरित और प्रभावी निर्णय लेने में मदद की। राज्य सरकार ने जीईएम पोर्टल पर रिकॉर्ड खरीदारी कर सरकारी विभागों की खरीद में पारदर्शिता के नए आयाम स्थापित करने का भी दावा किया है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में तीसरी बार जीईएम पोर्टल के माध्यम से 5,471 करोड़ रुपये की सर्वाधिक सरकारी खरीद के मामले में उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर रहा। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पिछले साढ़े चार साल में उत्तर प्रदेश सरकार ने जीईएम पोर्टल के जरिए कुल 14,878 करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीदारी की है।

भोजपुरी गीतों में हीरो बने योगी, सोशल मीडिया पर भी मची धूम

लखनऊ, (वेब वार्ता)। भोजपुरी गीतों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों हीरो बने हुए है। मशहूर भोजपुरी फिल्म अभिनेता एवं गायक दिनेश लाल यादव निरहुआ के गाए हुए यूपी के बच्चा–बच्चा फरमाइश में योगी, अइहें 22 में योगी जी, 27 में भी योगी जी गीत ने सोषल मीडिया पर धूम मचा रखी है। उनके इस गाने पर सपा समर्थकों और भाजपा समर्थकों ने सोशल मीडिया पर मिलीजुली प्रतिक्रिया भी दी है।

अभिनेता दिनेष लाल निरहुआ ने वर्ष 2019 में सपा मुखिया अखिलेष यादव के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। तभी से वह भाजपा के प्रचार में लगातार रहते हैं। इसस पहले भी वह दो गीत बना चुके हैं। जो कि सोशल मीडिया पर बहुत हिट हुए है।

निरहुआ ने यह गीत अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट भी किया है। इस गीत को उन्होंने मुख्यमंत्री योगी की छवि और उनकी उपलब्धियों को आधार बनाकर गाया है। इस गीत में निरहुआ दावा करते हैं कि योगी आदित्यनाथ 2022 में भी सत्ता में आएंगे और वर्ष 2027 में भी सत्ता में आएंगे।

उन्होंने गीत शुरूआत करते हुए कहा है कि गद्दारों के सीने में चोट करेंगे, जो राष्ट्रवादी हैं वह योगी जी को ही सपोर्ट करेंगे। पहले भी किया था और आने वाले समय में भी कमल के निशान पर ही वोट करेंगे। निरहुआ के गाने में आगे बोल हैं,यूपी के बच्चा–बच्चा के फरमाइश में योगी जी, अइहें 22 में योगी जी, 27 में भी योगी जी।

इससे पहले भी भोजपुरी स्टार निरहुआ ने अभी हाल में दो गीत बनाए थे। पहले गीत के बोल थे घुस जाले बिलवा में सांप बिच्छू, गोजर, चलेला जब चाप बाबा का बुलडोजर, यूपी से गायब भइले सूरमा, गजोधर।

इसके अलावा उन्होंने एक और गाना गाया है, ,जिसके बाले हैं चाहे जितना जोर लगा लो, चाहे जितना शोर मचा लो। जीतेगी बीजेपी ही। आएंगे फिर योगी। इन गीतों ने भी सोशल मीडिया पर काफी धूम मचा रखी है।

भोजपुरी अभिनेता दिनेष लाल निरहुआ ने बताया कि शूटिंग के दौरान भिन्न क्षेत्रों से लोग मिलते हैं। उनसे बातें होती है। उसी फीडबैक के आधार पर अपने आप गीत के बोल तैयार हो जाते है। लागों के आह्लाद (खुशी) को मैं अपनी आवाज देने का काम कर रहा हूं। निरहुआ के गीत से खुश होकर भाजपा समर्थकों ने सोशल मीडिया में उनकी जमकर प्रशंसा भी की है। एक प्रशंसक उदय प्रताप लिखते हैं कि किसानों को समय पर गेहूं धान गन्ना मूल्य भुगतान हों रहा है। समय पर खाद पानी बिजली मिल रही है। दलालों की दलाली बंद हो गई। जातिवाद खत्म। माफिया राज गुंडाराज मुक्त हो गया।

एक और भाजपा समर्थक सौरभ सिंह ने लिखा है कि अगर आजमगढ़ के लोगों के दिलों को जीतना है तो अमेठी में जिस तरह से स्मशति दीदी ने कार्य किया है वैसा आपको भी करना पड़ेगा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ चुनाव में उतर चुके निरहुआ लगातार सपाइयों के निशाने पर भी है। इस गीत के कारण एक बार फिर सपा समर्थक उन पर हमले कर रहे हैं। सपा समर्थक राजाराम शर्मा कहते है ये आपका भ्रम है आने वाले यूपी विधानसभा चुनावों में जाएगा तो योगी और आयेगा अखिलेश यादव ये ही सच्चाई है। इसे आप छुपा दबा नहीं सकते हैं। जनता के दिलों से मोदी जी योगी जी का डर खौफ खत्म हो गया है। अब जनता महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट देगी।

उप्र चुनावः रालोद प्रमुख ने कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना से किया इनकार

मुजफ्फरनगर, (वेब वार्ता)। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) प्रमुख जयंत चौधरी ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया। रविवार शाम शामली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत 'अंतिम चरण' में है। रालोद नेता ने हाल ही में लखनऊ हवाईअड्डे पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की थी और बाद में दोनों छत्तीसगढ़ सरकार के चार्टर्ड विमान से दिल्ली रवान हुए थे। इस घटनाक्रम से राजनीतिक गलियारे में गठबंधन को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। यह पूछे जाने पर कि क्या यह बैठक सीटों के बंटवारे के संबंध में सपा पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा था तो रालोद के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि किसी पर कोई दबाव नहीं डाला गया। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी और पहले के नेताओं के बीच ऐसा होना आम था लेकिन भाजपा ने इस चलन को बदल दिया और राजनीति में लोग एक–दूसरे के दुश्मन बन गए। इसी बीच चौधरी ने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह घोषणापत्र में युवाओं को एक करोड़ रोजगार देने, गन्ने के लिए राज्य सलाहकार मूल्य (एसएपी) निर्धारण और 14 दिन के भीतर भुगतान सुनश्चित करने समेत अन्य सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने विद्युत अधिनियम 2003 में प्रस्तावित संशोधनों का विरोध किया।

याद करे भाजपा, जिन्ना की कब्र पर चादर चढ़ाने क्यों गये थे आडवाणी : राय

बलिया, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा मुहम्मद अली जिन्ना की कथित हिमायत को लेकर भाजपा के हमलों के बीच सपा के वरिष्ठ नेता नारद राय ने कहा है कि भाजपा पहले अपने गिरेबां में झांके और अपने संस्थापक नेताओं में शामिल लालकृष्ण आडवाणी से पूछे कि वह पाकिस्तान में जिन्ना की मजार पर चादर चढ़ाने क्यों गये थे। राय ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में प्रदेश के संसदीय कार्य राज्यमंत्री आनन्द स्वरूप शुक्ला द्वारा जिन्ना मामले को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हाल में लगाये गये गम्भीर आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि शुक्ला अपने दल का इतिहास भी पढ़ लें। राय ने कहा कि भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने स्वतंत्रता आंदोलन में जिन्ना के योगदान को याद करके उनकी मजार पर चादर चढ़ायी थी और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने कहा कि इसी योगदान को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी स्मरण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के संसदीय कार्य राज्यमंत्री शुक्ला को यह बात भी याद रखनी चाहिए कि भाजपा के प्रणेताओं में शामिल श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिन्ना के साथ मिलकर सरकार बनायी थी। भाजपा को इस पर भी जवाब देना चाहिये। गौरतलब है कि जिन्ना की कथित रूप से हिमायत करने वाले सपा अध्यक्ष अखिलेश के हाल के बयान के बाद राज्यमंत्री शुक्ला ने पिछले दिनों उन पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से साठगांठ करने का गम्भीर आरोप लगाया था। राय ने कहा कि आनन्द स्वरूप शुक्ला ने अखिलेश यादव के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी की है और उनके विरुद्ध राष्ट्रद्रोह के आरोप में मामला दर्ज होना चाहिये। उन्होंने कहा कि इस सम्बंध में सपा नेताओं द्वारा पुलिस में लिखित शिकायत दे दी गई है।

बलवा व मारपीट करने के 02 वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार'

विनोद कुमार सिंह,

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत धानेपुर पुलिस ने बलवा व मारपीट करने के 02 वांछित अभियुक्तों–01. राजेश, 02. गुन्नू को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्तों ने अन्य साथियों

वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना के साथ मिलकर वादी नवरंगी प्रसाद व उसके भाई को जमीनी विवाद के चलते गाली–गुप्ता देते हुए मारा–पीटा था तथा जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया था।

आयुक्त ने संपूर्ण समाधान दिवस तरबगंज का किया आकस्मिक निरीक्षण

जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण व कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए निरोधात्मक कार्यवाही के दिए निर्देश

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा। आयुक्त देवीपाटन मंडल श्री एस0वी0एस0 रंगाराव द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस के आकस्मिक निरीक्षण के क्रम में आज तहसील तरबगंज में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित लोगों के राशन वितरण में अनियमितता, चक मार्ग, आबादी की जमीन तथा निजी भूमि पर हुए अवैध कब्जों से संबंधित समस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को उसके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। आयुक्त तथा उप पुलिस महानिरीक्षक श्री उपेंद्र कुमार अग्रवाल ने कानून व शांति व्यवस्था के दृष्टिगत तत्परता के साथ निरोधात्मक कार्यवाही किए जाने हेतु उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। आयुक्त ने विकासखंड वजीरगंज के बद्री प्रसाद पांडे पुत्र रघुवर दयाल पांडे की शिकायत कि चक मार्ग संख्या–512 पर विपक्षीगण द्वारा तंबाकू के पौधे लगाए जाने तथा तरबगंज के प्रेम् कुमार सिंह की शिकायत कि उनके खाते की भूमि पर बने नाले को हटाने की कार्यवाही न होने की शिकायत की सुनवाई करते हुए उप जिलाधिकारी तरबगंज को निर्देशित किया कि वे जांच कर त्वरित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। समाधान दिवस में चक मार्ग पर हुए अवैध कब्जों की शिकायतों पर आयुक्त ने निर्देशित किया कि उप जिलाधिकारी ऐसे प्रकरणों की जांच कराकर नियमानुसार कार्यवाही करें। उन्होंने तरबगंज के श्री कन्हैया लाल द्वारा यह शिकायत किए जाने पर कि आदेश पारित होने के बावजूद विपक्षियों द्वारा छप्पर आदि डालकर अवैध कब्जा किया जा रहा है, के प्रकरण में भी तत्काल जांच के निर्देश दिए। ग्रामसभा भैरमपुर के माता प्रसाद द्वारा यह शिकायत की गई कि उनके सहखातेदार विपक्षीगण उनके भूमि पर कब्जा करना चाहते हैं तथा मना करने पर मारपीट व जानमाल की धमकी देते हैं, इस पर भी आयुक्त ने उप जिलाधिकारी तरबगंज को निर्देशित किया कि प्रकरण में जांच कर नियमानुसार कार्य वाही करें। इस अवसर पर विकासखंड नवाबगंज के धर्मेंद्र पुत्र छेदी द्वारा ग्राम सभा परसापुर के प्रधान द्वारा कोटेदार से खाद्यान्न अपने सहयोगियों में बटवाने तथा अपशब्दों का प्रयोग किए जाने की शिकायत पर भी आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गये। संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने भी लोगों के समस्याएं व शिकायतों की सुनवाई की तथा उसके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी तरब गंज श्री कुलदीप सिंह, खंड विकास अधिकारी तरब गंज श्री आकाश सिंह तथा तहसीलदार तरबगंज श्री पैगाम हैदर व पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उप निरीक्षक सुनील कुमार ने गिरफ्तार कर न्यायालय किया रवाना

विनोद कुमार सिंह

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा मिश्रा ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान

के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने के लिए जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक थाना अध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे उसके तहत मध्य नजर रखते हुए। थाना मोतीगंज पुलिस ने आज दिनांक 8.11.21 को द्वितीय पक्ष के बाबूराम पुत्र मेहरबान व जगदंबा पुत्र रामकुमार निवासीगढ़ ग्राम अहिरन पुरवा मौजा दुर्जनपुर थाना मोतीगंज जनपद गोंडा से एनसीआर संख्या 171. 2021 धारा 323/504 भादवि के संबंध में पूछताछ की जा रहे थे कि उपरोक्त दोनों व्यक्ति आमदा फौजदारी होने लगे शांति व्यवस्था के दृष्टिगत उपनिरीक्षक श्री सुनील कुमार मैं हमराह कांस्टेबल यशवंत यादव मैं कांस्टेबल विष्णु तिवारी मैं रिक्रूट कांस्टेबल प्रताप सिंह गंगवार मैं रिक्रूट कांस्टेबल अर्जुन वर्मा द्वारा उपरोक्त दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर धारा 151/107/116 सी आर पी सी के तहत चालान कर माननीय उपजिला मजिस्ट्रेट महोदय सदर गोंडा के लिए रवाना किया गया।

रालोद प्रमुख ने कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना से किया इनकार

मुजफ्फरनगर (वेब वार्ता)। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) प्रमुख जयंत चौधरी ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया। रविवार शाम शामली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत 'अंतिम चरण' में है। रालोद नेता ने हाल ही में लखनऊ हवाईअड्डे पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की थी और बाद में दोनों छत्तीसगढ़ सरकार के चार्टर्ड विमान से दिल्ली रवान हुए थे। इस घटनाक्रम से राजनीतिक गलियारे में गठबंधन को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। यह पूछे जाने पर कि क्या यह बैठक सीटों के बंटवारे के संबंध में सपा पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा था तो रालोद के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि किसी पर कोई दबाव नहीं डाला गया।

विनोद कुमार सिंह
अवध की आवाज दैनिक पेपर ब्यूरो चीफ गोंडा।
मोबाइल नंबर – 9369539488,9984461994
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

मोहित दूबे, प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत जोगापुर विकासखंड मनकापुर जिला गोंडा।
मोबाइल नंबर -91 84231 42200

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

आशा वर्मा,
ग्रामप्रधान
तुर्काडिया
विकासखंड
मनकापुर ,जिला
गोण्डा
मोबाइल नंबर
8299344812

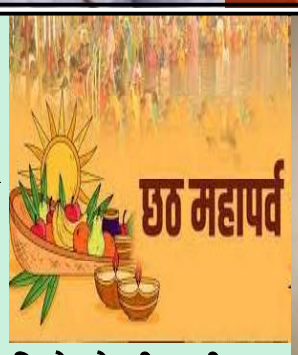

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

पप्पू तिवारी
पता - दलपतपुर , गोंडा
मोबाइल नंबर-99192 29692

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रमोद आर्य चंचल
जिला पंचायत सदस्य (मनकापुर प्रथम) गोण्डा
मोबाइल नंबर –9838727144
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रेमनाथ वर्मा (बीडीसी,हरनाटायर)
विकासखंड मनकापुर , जिला गोंडा

डॉ.पवन नन्दा
स्कूल – श्री केडी मेमोरियल नन्दा पब्लिक स्कूल (हड्रवा), मोतीगंज गोण्डा
मोबाइल नंबर –9838978507,8808400452

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रमोद कुमार सोनी
मां पाटेस्वरी ज्वेल्स
पता -मोतीगंज बाज़ार, जिला गोण्डा
मोबाइल नंबर - 9838002150
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनाये

वंशराज, ग्राम प्रधान - मदनापुरभान , विकासखंड मनकापुर
जिला गोंडा
मोबाइल नंबर - 9565112415
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

अवैध तमंचा सहित अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना दही, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व कराधिकारी महोदय नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना दही पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को एक अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय एक अदद जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो
उन्नाव। दिनांक 08.11.2021 को संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सफीपुर में माननीय विधायक, श्री बंबा लाल दिवाकर जी की उपस्थिति में जनता की समस्याओं को सुनकर निस्तारण कराते हुए जिलाधिकारी महोदय उन्नाव एवं पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना असोहा, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्रप्ररी महोदय पुरवा के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना असोहा पुलिस द्वारा एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

विस्तार ने दिल्ली से पेरिस के लिए सीधी उड़ान सेवाएं शुरू की

मुंबई, (वेब वार्ता)। विमानन कंपनी विस्तार ने भारत और यूरोप के बीच एयर बबल समझौते के तहत दिल्ली से पेरिस के लिए सीधी उड़ान सेवाएं शुरू की हैं। विस्तार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसने रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पेरिस के चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे के लिए अपनी पहली सीधी उड़ान का संचालन किया। समझौते के तहत विस्तार दोनों शहरों के बीच सप्ताह में दो बार – बुधवार और रविवार को बोइंग 787–9 (ड्रीमलाइनर) विमान के साथ उड़ान भरेगी। टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस के संयुक्त उद्यम विस्तार के लिए पेरिस सातवां विदेशी गतंव्य है, जहां कंपनी एयर बबल समझौते के तहत अपनी उड़ान सेवाएं संचालित कर रही है। कोविड–19 महामारी से बचाव के लिए एयर बबल समझौते के तहत दो देश आपस में कुछ प्रतिबंधों तथा सख्त नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की अनुमति देते हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।